NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.
DAINIK BHASKAR, Surat, 6.3.2024
Page No. 2, Size:(5.49)cms X (15.73)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

मोहर नदी पर हाई स्पीड रेल ब्रिज बनकर तैयार

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना में एक और अहम पड़ाव पार कर लिया गया है। मोहर नदी पर ब्रिज बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। गुजरात में हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है। अब तक 143 किमी से ज्यादा एलिवेटेड वायडक्ट बना लिया गया है। जबकि पिलर खड़ा करने का काम जारी है। उधर वलसाड में माउंट टनल भी तैयार हो चुकी है। ऐसे में मोहर नदी पर हाई स्पीड रेल ब्रिज 4 फुल स्पान बॉक्स गर्डर्स(40 मीटर प्रत्येक) से बनाया गया है।

नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है पुल

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (गुजरात और महाराष्ट्र) में कुल 24 नदी पुल हैं। इनमें से 20 गुजरात और 4 महाराष्ट्र में हैं। अब तक पार, पूर्णा, मिंधोला, अंबिका, औरंगा और वेनगनिया नदी पर पुल का निर्माण हो चुका है। गुजरात में 1.2 किमी का सबसे लंबा पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है। महाराष्ट्र में 2.28 किमी का सबसे लंबा पुल वैतरणा नदी पर बनाया जाएगा।

मोहर रिवर ब्रिज की खासियत

- लंबाई 160 मीटर
- ब्रिज के पिलर्स की ऊंचाई- 9.9 से 15.7 मीटर है
- 3.5 और 4 मीटर व्यास के 5 गोलाकार पिलर्स हैं
- यह पुल आणंद और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच में है

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 6.3.2024
Page No. 3, Size:(23.51)cms X (7.82)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना: गुजरात की सात नदियों पर अब तक पुलों का निर्माण

खेड़ा जिले की मोहर नदी पर 160 मीटर लंबा पुल बनकर तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए खेड़ा जिले की मोहर नदी पर पुल का निर्माण कार्य फरवरी महीने में पूरा किया गया है।

मोहर नदी पर बने पुल की लंबाई 160 मीटर है। यह पुल 4 फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स (40 मीटर प्रत्येक) से बनाया गया है। पियर्स की ऊंचाई 9.9 मीटर से 15.7 मीटर है। इसमें 3.5 मीटर व 4 मीटर व्यास के 5 गोलाकार पिलर हैं। यह पुल आणंद और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच में है। इसके सहित गुजरात की सात नदियों पर अब तक पुल बने हैं। एमएएचएसआर कॉरिडोर (गुजरात और महाराष्ट्र) पर कुल 24 नदी पुल हैं, जिनमें से 20 गुजरात और 04 महाराष्ट्र में हैं। पार, पूर्णा, मिंधोला, अंबिका, औरंगा ० वेनगनिया नदी पर पुल का निर्माण पूरा किया जा चुका है। गुजरात में, 1.2 कि.मी. का सबसे लंबा नदी पुल, नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है और महाराष्ट्र में 2.28 कि.मी. का सबसे लंबा पुल, वैतरणा नदी पर बनाया जाएगा।

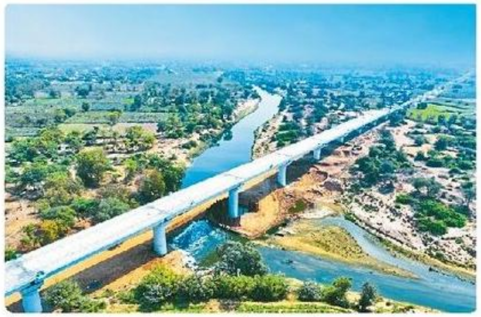
खेड़ा जिले की मोहर नदी पर पुल का निर्माण कार्य पूरा।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) की से एमएएचएसआर कॉरिडोर की फरवरी महीने तक की प्रगति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एमएएचएसआर कॉरिडोर पर कुल 24 नदी पुलों में से सात नदियों पर पुल का काम पूरा हो चुका है। इनमें पार (वलसाड जिला), पूर्णा (नवसारी जिला), मिंधोला (नवसारी जिला), अंबिका (नवसारी जिला), औरंगा (वलसाड जिला), वेंगानिया (नवसारी जिला) और मोहर (खेड़ा जिला) शामिल हैं। अन्य नदियों में नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदी पर कार्य प्रगति पर है।

ऐसे 28 में से 16 पुल निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों, सिंचाई में 17, महाराष्ट्र में 11) को बड़े इस्पात संरचनाओं से जोड़ा जाएगा।

जापानी शिंकानसेन में इस्तेमाल किए जाने वाले एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए पहला प्रबलित कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड बिछाने का काम सूरत और आणंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है, भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। सूरत और आणंद में ट्रैक निर्माण आधार और ट्रैक स्लैब निर्माण फैक्ट्री पूरी तरह कार्यरत हैं।

एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक ने किया निरीक्षण

गुजरात के वलसाड में जारोली गांव के समीप स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को पूरा करके एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। पहला स्टील ब्रिज 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन का सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 53 पर बनाया गया। एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक विवेक कुमार गुप्ता ने सूरत में निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इनमें कास्टिंग यार्ड, सूरत हाई स्पीड रेल स्टेशन, नदी पुल, स्टील पुल, ट्रैक निर्माण स्थल शामिल हैं।

एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक सूरत में निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए।

स्टेशन एवं डिपो

गुजरात के सभी 8 बुलेट ट्रेन स्टेशनों (वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, और, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) पर काम निर्माण के विभिन्न चरणों में है। सभी 8 एचएसआर स्टेशनों के लिए फाउंडेशन का काम पूरा हो गया। इनमें आणंद स्टेशन के कॉनकोर्स स्लैब और रेल लेवल स्लैब (425 मीटर) पूरा हो गया। 478 मीटर प्लेटफार्म स्तर का स्लैब पूरा हो गया। अहमदाबाद स्टेशन के कॉनकोर्स स्लैब (435 मीटर) व 375 मीटर रेल लेवल स्लैब पूरा हो चुका है। साबरमती डिपो के अर्थ वर्क कार्य पूरा, ओएचई फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 6.3.2024
Page No. 3, Size:(23.46)cms X (7.66)cms.

अहमदाबाद और आणंद के बीच खेड़ा जिले में ही स्थित है मोहर नदी: एमएएचएसआर कॉरिडोर पर कुल 24 नदी पुल बनेंगे

बुलेट ट्रेन परियोजना में मोहर नदी पर पुल बनकर हो गया तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर पर आणंद और अहमदाबाद के बीच मोहर नदी पर ब्रिज का निर्माण पूरा हो गया है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर मोहर नदी पर पुल तैयार होने की जानकारी साझा की है। दक्षिण गुजरात में पहले ही छह नदियों पर हाई स्पीड रेल ब्रिज का कार्य पूरा किया जा चुका है। बुलेट ट्रेन परियोजना में गुजरात और महाराष्ट्र में कुल 24 नदी पुल बनाए जाने हैं।

एनएचएसआरसीएल के अधिकारियों ने बताया कि मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेलवे कॉरिडोर के 508 किलोमीटर में एक और अहम पड़ाव पार कर लिया गया है।

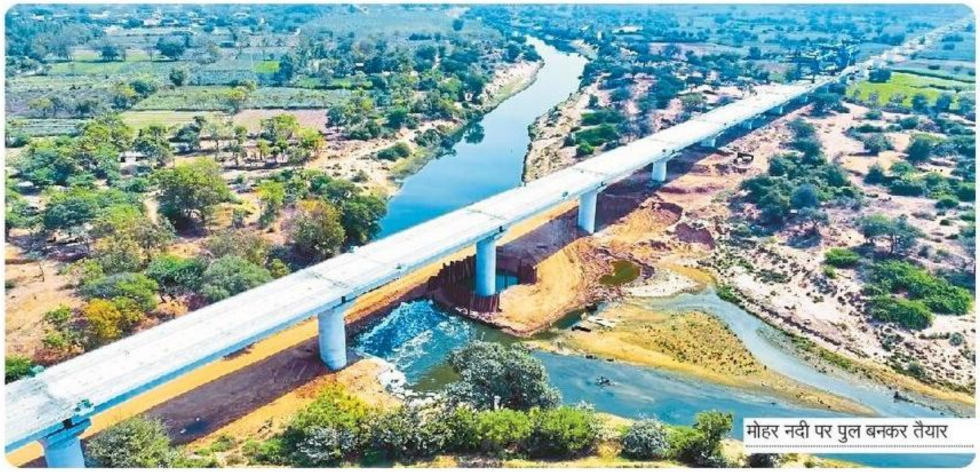

मोहर नदी पर पुल बनकर तैयार

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में मोहर नदी पर ब्रिज बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। बुलेट ट्रेन परियोजना का काम बड़ी तेजी के साथ गुजरात में किया जा रहा है। अब तक 143 किलोमीटर से ज्यादा गर्डर लॉन्च किए जा चुके हैं और 289 किमी पियर कास्टिंग का कार्य पूरा हो चुका है। वहीं, गुजरात के वलसाड में जारोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को पूरा करके एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। जबकि एमएएचएसआर कॉरिडोर पर कुल 24 नदी पुलों में से सात नदियों पर पुल का काम पूरा हो चुका है। इसमें वलसाड जिले की पार, औरंगा नदी, नवसारी जिले की पूर्णा, मिंढोला, अंबिका, वेंगानिया नदी और खेड़ा जिले की मोहर नदी शामिल हैं। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को एमएएचएसआर पर खेड़ा जिले की मोहर नदी के पूरा होने की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की है। गौरतलब है कि, गुजरात और महाराष्ट्र में कुल 24 नदी पुल बनाए जाने हैं। इसमें गुजरात में 20 और महाराष्ट्र में 4 नदी पुल शामिल हैं। गुजरात में सबसे लंबा नदी पुल नर्मदा नदी पर 1.2 किमी का बनाया जा रहा है। और महाराष्ट्र में सबसे लंबा पुल वैतरणा नदी पर 2.28 किमी का बनाया जाएगा।

मोहर रिवर ब्रिज

- ब्रिज की लंबाई : **160 मीटर**
- पियर्स की ऊंचाई : **9.9 मीटर से 15.7 मीटर**
- **3.5 मीटर** व **4 मीटर** व्यास के **05** गोलाकार पिलर
- पुल **4 फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स (40 मीटर प्रत्येक)** से किया तैयार
- **आणंद और अहमदाबाद** बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच है पुल

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 12.3.2024
Page No. 19, Size:(8.64)cms X (10.35)cms.

Mumbai-Ahmedabad bullet train project gains steam

Near completion of bridge across Mohar brightens prospects

FPJ NEWS SERVICE / AHMEDABAD

The National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) has achieved a significant milestone in the construction of the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR) corridor. The 160-metre-long bridge over the Mohar river in Gujarat's Kheda district is now complete, marking another step forward in this ambitious high-speed rail project.

This impressive structure features four full-span girders, each stretching 40 metres in length. The piers supporting the bridge vary in height from 9.9 metres to 15.7 metres, with a diameter ranging from 3.5 metres to 4 metres for a total of five piers. Strategically located between the Anand and Ahmedabad bullet train stations, the Mohar river bridge exemplifies the continued progress on the MAHSR corridor.

The MAHSR project boasts a total of 24 river bridges spread across Gujarat and Maharashtra. Notably, 20 of these bridges are being constructed in Gujarat, with the remaining four situated in Maharashtra. This includes the previously completed bridges over the Par, Purna, Mindhola, Ambika, Auranga and Venganiya rivers, showcasing the project's steady advancement.

However, the Mohar river bridge isn't the only impressive feat of engineering on the horizon. The construction of the colossal 1.2-kilometre bridge over the Narmada river in Gujarat is well underway. Additionally, plans are in place for an even longer bridge spanning 2.28 kilometres over the Vaitarna river in Maharashtra. These record-breaking structures will undoubtedly stand as testaments to India's growing infrastructure prowess.

The completion of the Mohar river bridge signifies a significant step towards the realisation of the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project. This high-speed rail network promises to revolutionise travel between the two major cities, reducing journey times to a mere two hours compared to the current travel options. With continued progress on this transformative project, India is poised to usher in a new era of high-speed rail connectivity.

A 160 meter bridge over Mohr river in Kheda has been prepared for the bullet train

બુલેટ ટ્રેન માટે ખેડામાં મોહર નદી પર ૧૬૦ મીટરનો બ્રિજ તૈયાર થઈ ગયો

મુંબઈ અને અમદાવાદ વચ્ચે શરૂ થનારી બુલેટ ટ્રેનના પ્રોજેક્ટમાં ગતિ આવી છે. બુલેટ ટ્રેન માટે ખેડા જિલ્લામાં આણંદ અને અમદાવાદ સ્ટેશન વચ્ચે મોહર નદી પર ૧૬૦ મીટરનો બ્રિજ બનીને તૈયાર થઈ ગયો છે. બુલેટ ટ્રેનના રૂટ પર કુલ ૨૪ બ્રિજ હશે, જેમાં ૨૦ બ્રિજ ગુજરાતમાં અને ૪ બ્રિજ મહારાષ્ટ્રમાં હશે. નર્મદા નદી પર ૧.૨ કિલોમીટરનો સૌથી લાંબો બ્રિજ બની રહ્યો છે, જ્યારે મહારાષ્ટ્રમાં ૨.૨૮ કિલોમીટરનો સૌથી લાંબો બ્રિજ વૈતરણા નદી પર બની રહ્યો છે. ગુજરાતમાં પાર, પૂર્ણા, મિંઢોળા, અંબિકા, ઔરંગા અને વેગણિયા નદી પર બ્રિજ બનીને તૈયાર થઈ ગયા છે.